



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रस्तावना

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 60]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 31, 1972/माघ 11, 1893

No. 60]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 31, 1972/MAGHA 11, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 31st January. 1972

S.O. 77(E)/15/IDRA/72(3).—Whereas the Cossipore unit (hereinafter in this Order referred to as the said factory), belonging to the industrial undertaking known as Messrs. Electric Construction and Equipment Company Limited, Calcutta, is engaged in the Scheduled Industry, namely, Electrical Equipment Industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the volume of production of the articles manufactured in the said factory had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said factory by the management;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said factory and to ensure that the production in the said scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

Shri T. V. Balakrishnan, Chief, Planning and Development and State Co-ordination,
Bharat Heavy Electricals Limited.

Members

1. Shri D. L. Kalsur, Assistant Financial Adviser Cement Corporation of India.
2. Shri C. R. Gautam, Deputy Secretary, Commerce and Industry Deptt., Government of West Bengal.

The above body shall submit its report to the Central Government within a period of six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. F. 25(3)/72-PEC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 31 जनवरी 1972

का० प्रा० 77(प्र)/15/आई०जी०आर०ए०/72(3).—यतः मसर्स इलेक्ट्रिकल वस्तुश्रुति एण्ड इन्फ्रामेंट कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम की कोसीपुर यूनिट (जिसे इस आदेश में हमने पश्चात् उक्त कारखाना कहा गया है) अनुसूचित उद्योग अर्थात् विद्युत उपस्कर उद्योग में लगी है :

और यतः केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह आया है कि उक्त कारखाने में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन का परिमाण धीरे धीरे कम होता जा रहा है और प्रबन्धमण्डल द्वारा उक्त कारखाने को बन्द कर दिए जाने के परिणामस्वरूप उत्पादन अब शून्य हो गया है;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त कारखाने के बन्द होने से उत्पन्न स्थिति को सुधारने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उक्त अनुसूचित उद्योग में उत्पादन लोकहित पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले रूप में न बिगड़े तत्काल उपाय करना समीचीन है;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत द्वारा इस मामले की परिस्थितियों में पूरी तरह से अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ एक निम्नलिखित निर्णय करती है जिसमें निम्नलिखित वर्णित होंगे :—

अ-यत

श्री टी० वी० बालाकृष्णन,
प्रमुख, योजना और विकास तथा
विक्रय समन्वय,
भारत हवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ।

सहाय्य

1. श्री डी० एल० कलसुर,
वित्तीय सहायक सलाहकार,
भारतीय मीमेंट निगम ।
2. श्री सी० आर० गौतम,
उप सचिव,
वाणिज्य और उद्योग विभाग,
पश्चिमी बंगाल ।

उपरोक्त निकाय राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से छः मप्ताह की अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश करेगा ।

[सं० नं० 25(3) 72-पी० ई० सी०]

के० एस० मटनागर, पं०युक्त सचिव ।

